M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

गंगा

आस्था और संस्कृति की अद्भुत यात्रा

विक्रम संवत् - 2082

2025

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

अशोक सिंहल फाउण्डेशन के बारे में

2025

महान धर्मात्मा श्रद्धेय अशोक सिंहल जी के ब्रह्मलीन होने के उपरांत उनके ध्येय व संकल्पों को आगे बढ़ाने के लिए उनके परम आत्मीय रहे श्री महेश भागचन्दका जी द्वारा 2015 में अशोक सिंहल फाउण्डेशन का गठन किया गया। उन्होंने श्रद्धेय अशोक सिंहल जी के जीवन पर आधारित ग्रन्थ हिंदुत्व के पुरोधा की रचना भी करी है।

फाउण्डेशन मुख्य रूप से श्रद्धेय अशोक सिंहल जी के द्वारा दर्शाये गए ध्येय व संकल्पों को पूरा करने हेतु अनेकों समाज सेवा के कार्य कर रहा है।

जिनमें मुख्यतः

- श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मन्दिर निर्माण
- पावन गंगा नदी की अविरलता व निर्मलता
- गौमाता का संरक्षण - संवर्धन
- भगवद गीता तथा वेदों का प्रचार - प्रसार सम्पूर्ण विश्व में पहुँचाना
- संस्कृत भाषा का प्रचार - प्रसार
- निर्धनों - गरीबों एवं आदिवासियों का सर्वविधि कल्याण

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

गंगा जी

2025

महा ग्रन्थ रामायण के अनुसार महाराज भागीरथ ने महर्षि कपिल मुनि के श्राप से भस्म हुए पूर्वजों के मोक्ष हेतु माँ गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाने के लिए कठिन तपस्या की थी। वेदों के अनुसार, माँ गंगा को जाह्नवी कहा जाता है, जो माँ गंगा के प्राचीन महत्व को उजागर करता है। माँ गंगा का उल्लेख ऋग्वेद में किया गया है, जहाँ वैदिक अनुष्ठानों में गंगा जी की पवित्रता का महत्व बताया गया है। वैदिक काल से गंगा जी को आध्यात्मिक पोषण का स्रोत मानकर इनके जल को अनुष्ठानों और समारोहों के लिए पवित्र माना जाता रहा है।

माँ गंगा का उद्गम गंगोत्री ग्लेशियर के गोमुख से होता है तथा बंगाल की खाड़ी तक यह 2500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा तय करती हैं।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

गंगोत्री (गोमुख) 2025

माँ गंगा का उद्गम उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री ग्लेशियर के गोमुख से होता है। तथा इस स्थान को मोक्ष प्रदान करने के रूप में जाना जाता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

चैत्र / वैशाख (अप्रैल)

व्रत एवं त्यौहार

6 रविवार, राम नवमी
10 गुरुवार, महावीर जयंती
12 शनिवार, हनुमान जयंती
14 सोमवार, बैसाखी
14 सोमवार, अंबेडकर जयंती
26 शनिवार, मासिक शिवरात्रि

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
1 प्रतिपदा (शुक्ल) (मार्च 30)	2, 3 द्वितीया (शुक्ल) (मार्च 31)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (1)	5 पंचमी (शुक्ल) (2)	6 षष्ठी (शुक्ल) (3)	7 सप्तमी (शुक्ल) (4)	8 अष्टमी (शुक्ल) (5)
9 नवमी (शुक्ल) (6)	10 दशमी (शुक्ल) (7)	11 एकादशी (शुक्ल) (8)	12 द्वादशी (शुक्ल) (9)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (10)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (11)	15 पूर्णिमा (12)
1 प्रतिपदा (कृष्ण) (13)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (14)	2 द्वितीया (कृष्ण) (15)	3 तृतीया (कृष्ण) (16)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (17)	5 पंचमी (कृष्ण) (18)	6 षष्ठी (कृष्ण) (19)
7 सप्तमी (कृष्ण) (20)	8 अष्टमी (कृष्ण) (21)	9 नवमी (कृष्ण) (22)	10 दशमी (कृष्ण) (23)	11 एकादशी (कृष्ण) (24)	12 द्वादशी (कृष्ण) (25)	13, 14 त्रयोदशी (कृष्ण) (26)
15 अमावस्या (27)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (28)	2 द्वितीया (शुक्ल) (29)	3 तृतीया (शुक्ल) (30)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (1)	5 पंचमी (शुक्ल) (2)	6 षष्ठी (शुक्ल) (3)

2025

माँ गंगा का उद्गम हिमालय पर्वत के गंगोत्री ग्लेशियर से होता है।

M2K FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

देवप्रयाग

2025

रामायण ग्रन्थ के अनुसार भगवान राम ने राक्षसराज रावण का वध किया जिसके कारण उन्हें ब्रह्म हत्या का पाप लगा उसके प्रायश्चित हेतु उन्होंने देवप्रयाग में ध्यान किया। देवप्रयाग माँ गंगा के पांच पवित्र संगम (पंच प्रयाग) में से एक है। इस स्थान पर अलकनंदा और भागीरथी का संगम होता है और यहाँ से माँ गंगा के रूप में आगे प्रवाहित होती हैं। स्कन्द पुराण में यह स्थान स्वर्ग के प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता हैं और कहा गया है कि जो लोग देवप्रयाग में स्नान करते है, वे जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाते हैं।

M2K FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

वैशाख / ज्येष्ठ (मई)

व्रत एवं त्यौहार

9 शुक्रवार, महाराणा प्रताप जयंती
11 रविवार, मातृ दिवस
25 रविवार, मासिक शिवरात्रि

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
15 अमावस्या (27)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (28)	2 द्वितीया (शुक्ल) (29)	3 तृतीया (शुक्ल) (30)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (1)	5 पंचमी (शुक्ल) (2)	6 षष्ठी (शुक्ल) (3)
7 सप्तमी (शुक्ल) (4)	8 अष्टमी (शुक्ल) (5)	9 नवमी (शुक्ल) (6)	10 दशमी (शुक्ल) (7)	11 एकादशी (शुक्ल) (8)	12 द्वादशी (शुक्ल) (9)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (10)
14 चतुर्दशी (शुक्ल) (11)	15 पूर्णिमा (12)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (13)	2 द्वितीया (कृष्ण) (14)	3 तृतीया (कृष्ण) (15)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (16)	5 पंचमी (कृष्ण) (17)
5 पंचमी (कृष्ण) (18)	6 षष्ठी (कृष्ण) (19)	7, 8 सप्तमी (कृष्ण) (20)	9 नवमी (कृष्ण) (21)	10 दशमी (कृष्ण) (22)	11 एकादशी (कृष्ण) (23)	12 द्वादशी (कृष्ण) (24)
13 त्रयोदशी (कृष्ण) (25)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (26)	15 अमावस्या (27)	2 द्वितीया (शुक्ल) (28)	3 तृतीया (शुक्ल) (29)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (30)	5 पंचमी (शुक्ल) (31)

भागीरथी नदी, देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलकर गंगा की मुख्य धारा के रूप में आगे प्रवाहित होती है।

बद्रीनाथ

2025

पद्म पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु को समर्पित बद्रीनाथ मंदिर अलकनंदा नदी के पास स्थित है, जिसे गंगा की सहायक नदी माना जाता है। भगवान विष्णु ने यहाँ बद्री (बेर) के पेड़ के नीचे तपस्या की। आदि शंकराचार्य ने अलकनंदा नदी के जल से भगवान बद्रीनाथ की मूर्ति प्राप्त कर स्थापित की है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

ज्येष्ठ / आषाढ़ (जून)

व्रत एवं त्यौहार

6 शुक्रवार, निर्जला एकादशी
15 रविवार, पितृ दिवस
21 शनिवार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
23 सोमवार, मासिक शिवरात्रि
27 शुक्रवार, जगन्नाथ रथ यात्रा

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
6 षष्ठी (शुक्ल) (1)	7 सप्तमी (शुक्ल) (2)	8 अष्टमी (शुक्ल) (3)	9 नवमी (शुक्ल) (4)	10 दशमी (शुक्ल) (5)	11 एकादशी (शुक्ल) (6)	12 द्वादशी (शुक्ल) (7)
12 द्वादशी (शुक्ल) (8)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (9)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (10)	15 पूर्णिमा (11)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (12)	2 द्वितीया (कृष्ण) (13)	3 तृतीया (कृष्ण) (14)
4 चतुर्थी (कृष्ण) (15)	5 पंचमी (कृष्ण) (16)	6 षष्ठी (कृष्ण) (17)	7 सप्तमी (कृष्ण) (18)	8 अष्टमी (कृष्ण) (19)	9 नवमी (कृष्ण) (20)	10, 11 दशमी (कृष्ण) (21)
12 द्वादशी (कृष्ण) (22)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (23)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (24)	15 अमावस्या (25)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (26)	2 द्वितीया (शुक्ल) (27)	3 तृतीया (शुक्ल) (28)
4 चतुर्थी (शुक्ल) (29)	5 पंचमी (शुक्ल) (30)	6 षष्ठी (शुक्ल) (1)	7 सप्तमी (शुक्ल) (2)	8 अष्टमी (शुक्ल) (3)	9 नवमी (शुक्ल) (4)	10 दशमी (शुक्ल) (5)

गंगा नदी बेसिन, जो लगभग 10,80,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है, दुनिया के सबसे बड़े बेसिन में से एक है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

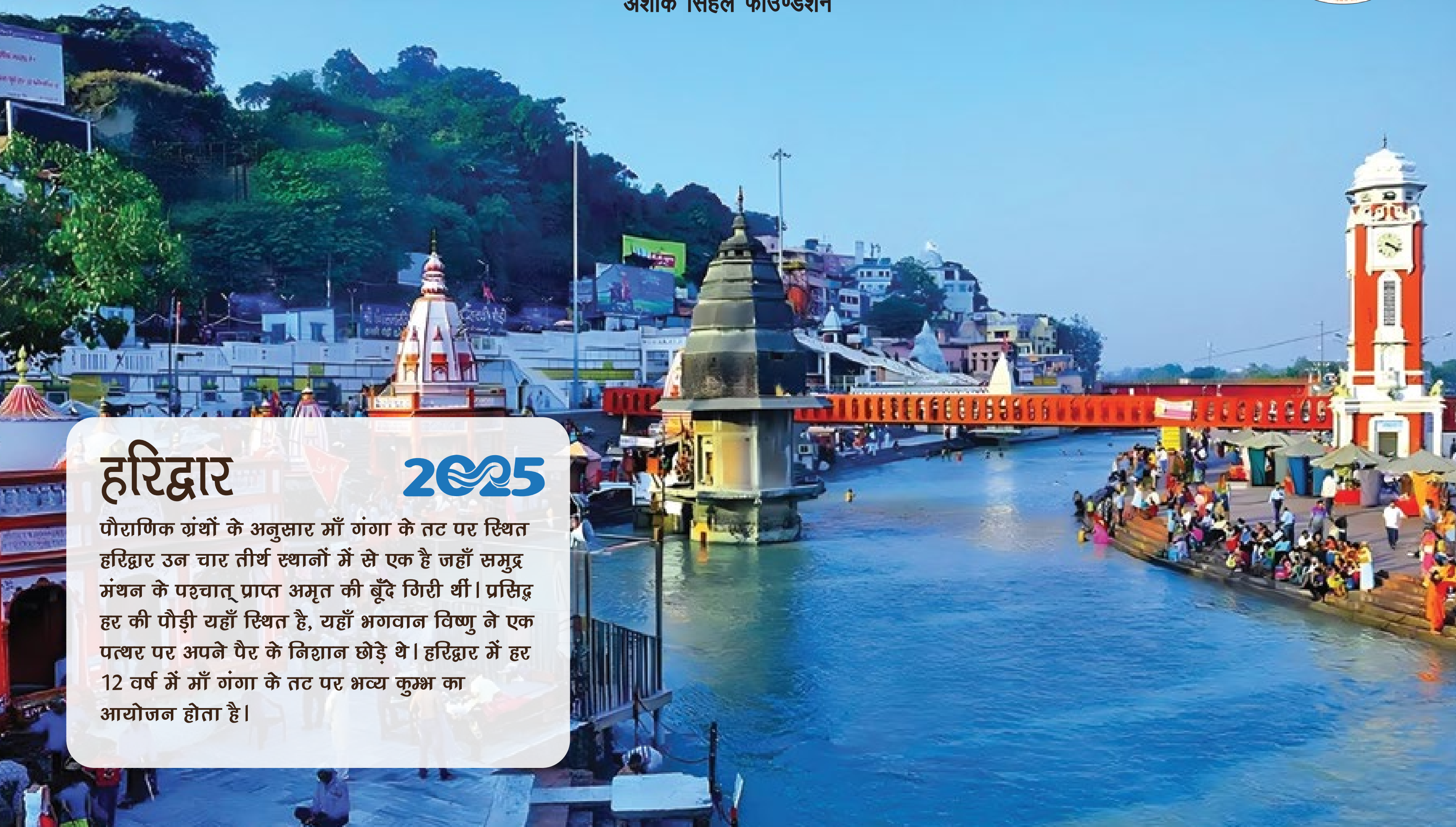

हरिद्वार

2025

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माँ गंगा के तट पर स्थित हरिद्वार उन चार तीर्थ स्थानों में से एक है जहाँ समुद्र मंथन के पश्चात् प्राप्त अमृत की बूँदें गिरी थीं। प्रसिद्ध हर की पौड़ी यहाँ स्थित है, यहाँ भगवान विष्णु ने एक पत्थर पर अपने पैर के निशान छोड़े थे। हरिद्वार में हर 12 वर्ष में माँ गंगा के तट पर भव्य कुम्भ का आयोजन होता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

आषाढ़ / श्रावण (जुलाई)

व्रत एवं त्यौहार

10 गुरुवार, गुरु-पूर्णिमा
11 शुक्रवार, श्रावण / कावड़ यात्रा प्रारम्भ
23 बुधवार, मासिक शिवरात्रि
27 रविवार, हरियाली तीज
29 मंगलवार, नाग पंचमी

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
4 चतुर्थी (शुक्ल) (29)	5 पंचमी (शुक्ल) (30)	6 षष्ठी (शुक्ल) (1)	7 सप्तमी (शुक्ल) (2)	8 अष्टमी (शुक्ल) (3)	9 नवमी (शुक्ल) (4)	10 दशमी (शुक्ल) (5)
11 एकादशी (शुक्ल) (6)	12 द्वादशी (शुक्ल) (7)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (8)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (9)	15 पूर्णिमा (10)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (11)	2 द्वितीया (कृष्ण) (12)
3 तृतीया (कृष्ण) (13)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (14)	5 पंचमी (कृष्ण) (15)	6 षष्ठी (कृष्ण) (16)	7 सप्तमी (कृष्ण) (17)	8 अष्टमी (कृष्ण) (18)	9 नवमी (कृष्ण) (19)
10 दशमी (कृष्ण) (20)	11 एकादशी (कृष्ण) (21)	12, 13 द्वादशी (कृष्ण) (22)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (23)	15 अमावस्या (24)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (25)	2 द्वितीया (शुक्ल) (26)
3 तृतीया (शुक्ल) (27)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (28)	5 पंचमी (शुक्ल) (29)	6 षष्ठी (शुक्ल) (30)	7 सप्तमी (शुक्ल) (31)	8 अष्टमी (शुक्ल) (1)	8 अष्टमी (शुक्ल) (2)

वर्ष 2008 में गंगा जी को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया।

M2K®
FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

ऋषिकेश

2025

ऋषिकेश, “विश्व की योग राजधानी” के रूप में जाना जाता है, स्कंद पुराण में ऋषिकेश को भगवान विष्णु से सम्बंधित बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि लक्ष्मण जी ने रस्सियों का उपयोग करके नदी पार की थी, और जिस स्थान पर यह हुआ वहां अब प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला पुल है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

श्रावण / भाद्रपद (अगस्त)

व्रत एवं त्यौहार

9 शनिवार, रक्षा बंधन
15 शुक्रवार, स्वतंत्रता दिवस
16 शनिवार, कृष्ण जन्माष्टमी
21 गुरुवार, मासिक शिवरात्रि
26 मंगलवार, हरतालिका तीज

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
3 तृतीया (शुक्ल) (27)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (28)	5 पंचमी (शुक्ल) (29)	6 षष्ठी (शुक्ल) (30)	7 सप्तमी (शुक्ल) (31)	8 अष्टमी (शुक्ल) (1)	8 अष्टमी (शुक्ल) (2)
9 नवमी (शुक्ल) (3)	10 दशमी (शुक्ल) (4)	11 एकादशी (शुक्ल) (5)	12 द्वादशी (शुक्ल) (6)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (7)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (8)	15 पूर्णिमा (9)
1 प्रतिपदा (कृष्ण) (10)	2 द्वितीया (कृष्ण) (11)	3 तृतीया (कृष्ण) (12)	4, 5 चतुर्थी (कृष्ण) (13)	6 षष्ठी (कृष्ण) (14)	7 सप्तमी (कृष्ण) (15)	8 अष्टमी (कृष्ण) (16)
9 नवमी (कृष्ण) (17)	10 दशमी (कृष्ण) (18)	11 एकादशी (कृष्ण) (19)	12 द्वादशी (कृष्ण) (20)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (21)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (22)	15 अमावस्या (23)
1 प्रतिपदा (शुक्ल) (24)	2 द्वितीया (शुक्ल) (25)	3 तृतीया (शुक्ल) (26)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (27)	5 पंचमी (शुक्ल) (28)	6 षष्ठी (शुक्ल) (29)	7 सप्तमी (शुक्ल) (30)
8 अष्टमी (शुक्ल) (31)	9 नवमी (शुक्ल) (1)	10 दशमी (शुक्ल) (2)	11 एकादशी (शुक्ल) (3)	12 द्वादशी (शुक्ल) (4)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (5)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (6)

गंगा जल में बैक्टीरियोफेज नामक विषाणु पाया जाता है जो हानिकारक जीवाणुओं से जल को शुद्ध रखता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

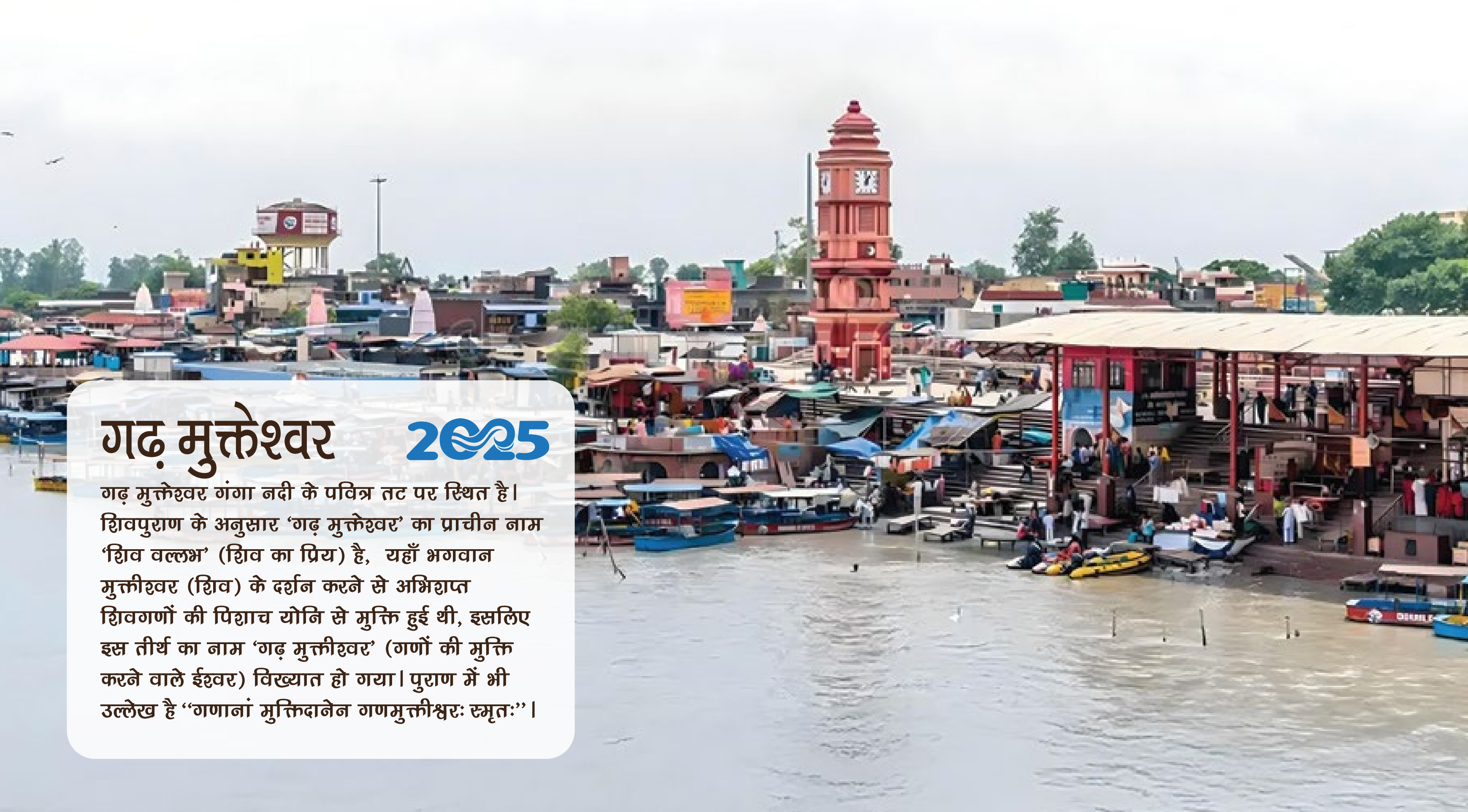

गढ़ मुक्तेश्वर

2025

गढ़ मुक्तेश्वर गंगा नदी के पवित्र तट पर स्थित है। शिवपुराण के अनुसार 'गढ़ मुक्तेश्वर' का प्राचीन नाम 'शिव वल्लभ' (शिव का प्रिय) है, यहाँ भगवान मुक्तीश्वर (शिव) के दर्शन करने से अभिशप्त शिवगणों की पिशाच योनि से मुक्ति हुई थी, इसलिए इस तीर्थ का नाम 'गढ़ मुक्तीश्वर' (गणों की मुक्ति करने वाले ईश्वर) विख्यात हो गया। पुराण में भी उल्लेख है "गणानां मुक्तिदानेन गणमुक्तीश्वरः स्मृतः"।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

भाद्रपद / आश्विन (सितंबर)

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
8 अष्टमी (शुक्ल) (31)	9 नवमी (शुक्ल) (1)	10 दशमी (शुक्ल) (2)	11 एकादशी (शुक्ल) (3)	12 द्वादशी (शुक्ल) (4)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (5)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (6)
15 पूर्णिमा (7)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (8)	2 द्वितीया (कृष्ण) (9)	3 तृतीया (कृष्ण) (10)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (11)	5 पंचमी (कृष्ण) (12)	6, 7 षष्ठी (कृष्ण) (13)
8 अष्टमी (कृष्ण) (14)	9 नवमी (कृष्ण) (15)	10 दशमी (कृष्ण) (16)	11 एकादशी (कृष्ण) (17)	12 द्वादशी (कृष्ण) (18)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (19)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (20)
15 अमावस्या (21)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (22)	2 द्वितीया (शुक्ल) (23)	3 तृतीया (शुक्ल) (24)	3 तृतीया (शुक्ल) (25)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (26)	5 पंचमी (शुक्ल) (27)
6 षष्ठी (शुक्ल) (28)	7 सप्तमी (शुक्ल) (29)	8 अष्टमी (शुक्ल) (30)	9 नवमी (शुक्ल) (1)	10 दशमी (शुक्ल) (2)	11 एकादशी (शुक्ल) (3)	12 द्वादशी (शुक्ल) (4)

व्रत एवं त्यौहार

5 शुक्रवार, ओणम / थिरुवोणम
14 रविवार, हिंदी दिवस
19 शुक्रवार, मासिक शिवरात्रि
22 सोमवार, शरद नवरात्रि घटस्थापना
27 शनिवार, श्रद्धेय अशोक सिंहल जी की जयंती
30 मंगलवार, दुर्गा महा अष्टमी पूजा

2025

गंगा नदी के पवित्र जल को शुभ कार्यों में उपयोग किया जाता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

प्रयागराज

2025

प्रयागराज त्रिवेणी संगम, माँ गंगा, माँ यमुना और पौराणिक माँ सरस्वती के संगम के लिए प्रसिद्ध है। मत्स्य पुराण के अनुसार, सृष्टि के निर्माणकर्ता भगवान ब्रम्हा ने प्रयागराज में पहला यज्ञ किया, जिससे यह अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व का स्थान बन गया। प्रयागराज को ''तीर्थ स्थलों का राजा'' कहा जाता है। प्रसिद्ध कुम्भ मेला हर 12 वर्ष में यहाँ आयोजित किया जाता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद — धर्मो रक्षति रक्षितः

आश्विन / कार्तिक (अक्टूबर)

व्रत एवं त्यौहार

1 बुधवार, दुर्गा महा नवमी पूजा
2 गुरुवार, दशहरा, गाँधी जयंती
7 मंगलवार, महर्षि वाल्मीकि जयंती
19 रविवार, मासिक शिवरात्रि
21 मंगलवार, दीपावली
22 बुधवार, गोवर्धन पूजा
23 गुरुवार, भाई दूज
28 मंगलवार, छठ पूजा

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
6 षष्ठी (शुक्ल) (28)	7 सप्तमी (शुक्ल) (29)	8 अष्टमी (शुक्ल) (30)	9 नवमी (शुक्ल) (1)	10 दशमी (शुक्ल) (2)	11 एकादशी (शुक्ल) (3)	12 द्वादशी (शुक्ल) (4)
13 त्रयोदशी (शुक्ल) (5)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (6)	15 पूर्णिमा (7)	2 द्वितीया (कृष्ण) (8)	3 तृतीया (कृष्ण) (9)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (10)	5 पंचमी (कृष्ण) (11)
6 षष्ठी (कृष्ण) (12)	7 सप्तमी (कृष्ण) (13)	8 अष्टमी (कृष्ण) (14)	9 नवमी (कृष्ण) (15)	10 दशमी (कृष्ण) (16)	11 एकादशी (कृष्ण) (17)	12 द्वादशी (कृष्ण) (18)
13 त्रयोदशी (कृष्ण) (19)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (20)	15 अमावस्या (21)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (22)	2 द्वितीया (शुक्ल) (23)	3 तृतीया (शुक्ल) (24)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (25)
5 पंचमी (शुक्ल) (26)	6 षष्ठी (शुक्ल) (27)	6 षष्ठी (शुक्ल) (28)	7 सप्तमी (शुक्ल) (29)	8 अष्टमी (शुक्ल) (30)	9 नवमी (शुक्ल) (31)	10 दशमी (शुक्ल) (1)

कुम्भ मेला जो की विश्व का सबसे बड़ा मेला है, प्रयागराज और हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे लगता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

कानपुर

2025

कानपुर शहर में गंगा के किनारे ब्रह्मावर्त घाट सबसे पूजनीय स्थानों में से है। भगवान ब्रह्मा के भक्तों के लिए यह घाट सबसे महत्वपूर्ण स्थलों में से एक हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार मनुष्य के पृथ्वी पर बसने से पहले भगवान ब्रह्मा जी यहाँ रहते थे। यहीं पर ब्रह्मा जी ने शिवलिंग की स्थापना की थी जिसे आज भी ब्रह्मेश्वर महादेव के रूप में पूजा जाता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद — धर्मो रक्षति रक्षितः

कार्तिक / मार्गशीर्ष (नवंबर)

व्रत एवं त्यौहार

5 बुधवार, गुरुनानक जयंती

17 सोमवार, श्रद्धेय अशोक सिंहल जी की पुण्यतिथि

18 मंगलवार, मासिक शिवरात्रि

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
5 पंचमी (शुक्ल) (26)	6 षष्ठी (शुक्ल) (27)	6 षष्ठी (शुक्ल) (28)	7 सप्तमी (शुक्ल) (29)	8 अष्टमी (शुक्ल) (30)	9 नवमी (शुक्ल) (31)	10 दशमी (शुक्ल) (1)
11, 12 एकादशी (शुक्ल) (2)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (3)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (4)	15 पूर्णिमा (5)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (6)	2 द्वितीया (कृष्ण) (7)	3, 4 तृतीया (कृष्ण) (8)
5 पंचमी (कृष्ण) (9)	6 षष्ठी (कृष्ण) (10)	7 सप्तमी (कृष्ण) (11)	8 अष्टमी (कृष्ण) (12)	9 नवमी (कृष्ण) (13)	10 दशमी (कृष्ण) (14)	11 एकादशी (कृष्ण) (15)
12 द्वादशी (कृष्ण) (16)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (17)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (18)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (19)	15 अमावस्या (20)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (21)	2 द्वितीया (शुक्ल) (22)
3 तृतीया (शुक्ल) (23)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (24)	5 पंचमी (शुक्ल) (25)	6 षष्ठी (शुक्ल) (26)	7 सप्तमी (शुक्ल) (27)	8 अष्टमी (शुक्ल) (28)	9 नवमी (शुक्ल) (29)
10 दशमी (शुक्ल) (30)	11 एकादशी (शुक्ल) (1)	12 द्वादशी (शुक्ल) (2)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (3)	14 चतुर्थी (शुक्ल) (4)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (5)	2 द्वितीया (कृष्ण) (6)

1986 में गंगा नदी में प्रदूषण को कम करने के लिए गंगा कार्य योजना शुरू की गई थी।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

वाराणसी

2025

ऋग्वेद के अनुसार, वाराणसी से होकर प्रवाहित होने वाली माँ गंगा को पाप का नाश करने और मोक्ष प्रदान करने वाली माना जाता है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि वाराणसी की स्थापना स्वयं भगवान शिव ने की थी। मत्स्य पुराण के अनुसार माँ गंगा की दिव्य उपस्थिति और भगवान शिव के आशीर्वाद से जो कोई भी वाराणसी (काशी) में देह त्याग करता है वह मोक्ष प्राप्त करता है। गंगा नदी के तट पर प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद

धर्मो रक्षति रक्षितः

मार्गशीर्ष / पौष (दिसंबर)

व्रत एवं त्यौहार

18 गुरुवार, मासिक शिवरात्रि

25 गुरुवार, तुलसी दिवस

2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
10 दशमी (शुक्ल) (30)	11 एकादशी (शुक्ल) (1)	12 द्वादशी (शुक्ल) (2)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (3)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (4)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (5)	2 द्वितीया (कृष्ण) (6)
3 तृतीया (कृष्ण) (7)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (8)	5 पंचमी (कृष्ण) (9)	6 षष्ठी (कृष्ण) (10)	7 सप्तमी (कृष्ण) (11)	8 अष्टमी (कृष्ण) (12)	9 नवमी (कृष्ण) (13)
10 दशमी (कृष्ण) (14)	11 एकादशी (कृष्ण) (15)	12 द्वादशी (कृष्ण) (16)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (17)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (18)	15 अमावस्या (19)	15 अमावस्या (20)
1 प्रतिपदा (शुक्ल) (21)	2 द्वितीया (शुक्ल) (22)	3 तृतीया (शुक्ल) (23)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (24)	5 पंचमी (शुक्ल) (25)	6 षष्ठी (शुक्ल) (26)	7 सप्तमी (शुक्ल) (27)
8 अष्टमी (शुक्ल) (28)	9 नवमी (शुक्ल) (29)	10, 11 दशमी (शुक्ल) (30)	12 द्वादशी (शुक्ल) (31)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (1)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (2)	15 पूर्णिमा (3)

गंगा नदी भारत की सबसे लंबी नदी है जो लगभग 2,500 कि.मी. की यात्रा तय करती है।

शूकर क्षेत्र सोरों 2026

भगवान श्री वराह के देह विसर्जन के प्रभाव के कारण यहां स्थित हरिपदी गंगा में मृतक की अस्थियां प्रवाह के तीसरे दिन ही जल में गल जाती हैं। विश्व में कोई दूसरा ऐसा स्थल नहीं है जहां अस्थि गलती हो। यहां आदिकालीन विश्व का एकमात्र प्राचीनतम वटवृक्ष 'ग्रधवट' विद्यमान है। इसी ग्रधवट तीर्थ के वर्तमान प्रांगण में 'श्री' विद्या का यांत्रिक स्वरूप संभवतः विश्व की एकमात्र कृति है। 'कूर्मपृष्ठीय श्री यंत्र' का यह स्वरूप कहीं और देखने को नहीं मिलता। इसकी प्रतिष्ठा आदि शंकराचार्य जी ने की थी। श्री गीता रहस्य को श्री हरि विष्णु ने इसी शूकर क्षेत्र में भगवान सूर्य को समझाया था।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद — धर्मो रक्षति रक्षितः

पौष / माघ (जनवरी)

व्रत एवं त्यौहार

14 बुधवार, मकर संक्रांति

16 शुक्रवार, मासिक शिवरात्रि

20 मंगलवार, गुरु गोविन्द सिंह जयंती

23 शुक्रवार, बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा

26 सोमवार, गणतंत्र दिवस

2026

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
8 अष्टमी (शुक्ल) (28)	9 नवमी (शुक्ल) (29)	10 दशमी (शुक्ल) (30)	12 द्वादशी (शुक्ल) (31)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (1)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (2)	15 पूर्णिमा (3)
1 प्रतिपदा (कृष्ण) (4)	2 द्वितीया (कृष्ण) (5)	3, 4 तृतीया (कृष्ण) (6)	5 पंचमी (कृष्ण) (7)	6 षष्ठी (कृष्ण) (8)	7 सप्तमी (कृष्ण) (9)	7 सप्तमी (कृष्ण) (10)
8 अष्टमी (कृष्ण) (11)	9 नवमी (कृष्ण) (12)	10 दशमी (कृष्ण) (13)	11 एकादशी (कृष्ण) (14)	12 द्वादशी (कृष्ण) (15)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (16)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (17)
15 अमावस्या (18)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (19)	2 द्वितीया (शुक्ल) (20)	3 तृतीया (शुक्ल) (21)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (22)	5 पंचमी (शुक्ल) (23)	6 षष्ठी (शुक्ल) (24)
7 सप्तमी (शुक्ल) (25)	8 अष्टमी (शुक्ल) (26)	9 नवमी (शुक्ल) (27)	10 दशमी (शुक्ल) (28)	11 एकादशी (शुक्ल) (29)	12 द्वादशी (शुक्ल) (30)	13, 14 त्रयोदशी (शुक्ल) (31)

गंगा नदी में लगभग 140 से अधिक मछलियों की प्रजातियां पाई जाती हैं, जिसमें डॉल्फिन प्रमुख है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

बक्सर

2026

बक्सर को लघु काशी कहा जाता है क्योंकि काशी के बाद बक्सर में ही पतित पावनी गंगा उत्तरायणी बहती है। यहीं पर प्रभु श्री राम ने राक्षसी ताड़का का वध किया था। ताड़का का वध करने से भगवान राम और लक्ष्मण पर ब्रह्म दोष लगा जिसके कारण महर्षि विश्वामित्र के कहने पर इस दोष से मुक्ति के लिए गंगा किनारे भगवान राम ने स्वयं अपने हाथों से शिवलिंग की स्थापना की थी। इस मंदिर को श्री रामेश्वरनाथ के नाम से जाना जाता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

माघ / फाल्गुन (फरवरी)

व्रत एवं त्यौहार

15 रविवार, महाशिवरात्रि

2026

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
15 पूर्णिमा (1)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (2)	2 द्वितीया (कृष्ण) (3)	3 तृतीया (कृष्ण) (4)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (5)	5 पंचमी (कृष्ण) (6)	6 षष्ठी (कृष्ण) (7)
7 सप्तमी (कृष्ण) (8)	8 अष्टमी (कृष्ण) (9)	8 अष्टमी (कृष्ण) (10)	9 नवमी (कृष्ण) (11)	10 दशमी (कृष्ण) (12)	11 एकादशी (कृष्ण) (13)	12 द्वादशी (कृष्ण) (14)
13 त्रयोदशी (कृष्ण) (15)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (16)	15 अमावस्या (17)	1 प्रतिपदा (शुक्ल) (18)	2 द्वितीया (शुक्ल) (19)	3 तृतीया (शुक्ल) (20)	4 चतुर्थी (शुक्ल) (21)
5 पंचमी (शुक्ल) (22)	6 षष्ठी (शुक्ल) (23)	7, 8 सप्तमी (शुक्ल) (24)	9 नवमी (शुक्ल) (25)	10 दशमी (शुक्ल) (26)	11 एकादशी (शुक्ल) (27)	12 द्वादशी (शुक्ल) (28)
13 त्रयोदशी (शुक्ल) (1)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (2)	15 पूर्णिमा (3)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (4)	2 द्वितीया (कृष्ण) (5)	3 तृतीया (कृष्ण) (6)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (7)

गंगा नदी की औसत गहराई 16 मीटर और अधिकतम गहराई 30 मीटर है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

गंगासागर 2026

ब्रह्म पुराण के अनुसार गंगा सागर वह स्थान है जहाँ माँ गंगा बंगाल की खाड़ी में समुद्र से मिलती हैं जो सांसारिक और दिव्यता के मिलन का प्रतीक है। भागीरथ जी ने यहीं माँ गंगा के पवित्र जल से अंतिम संस्कार कर अपने पूर्वजों यानी 60,000 सगरपुत्रों की आत्माओं को नरक की यातना से मुक्त किया था। ऐसी मान्यता है कि सभी तीर्थों में बार – बार जाया जाता है लेकिन गंगासागर एक बार जाया जाता है। विश्व प्रसिद्ध कपिल मुनि का मंदिर यहीं पर स्थित हैं।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

फाल्गुन / चैत्र (मार्च)

व्रत एवं त्यौहार

3 मंगलवार, होलिका दहन
4 बुधवार, होली
17 मंगलवार, मासिक शिवरात्रि
19 गुरुवार, चैत्र नवरात्रि
26 गुरुवार, राम नवमी

2026

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
13 त्रयोदशी (शुक्ल) (1)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (2)	15 पूर्णिमा (3)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (4)	2 द्वितीया (कृष्ण) (5)	3 तृतीया (कृष्ण) (6)	4 चतुर्थी (कृष्ण) (7)
5 पंचमी (कृष्ण) (8)	6 षष्ठी (कृष्ण) (9)	7 सप्तमी (कृष्ण) (10)	8 अष्टमी (कृष्ण) (11)	9 नवमी (कृष्ण) (12)	10 दशमी (कृष्ण) (13)	10 दशमी (कृष्ण) (14)
11 एकादशी (कृष्ण) (15)	12 द्वादशी (कृष्ण) (16)	13 त्रयोदशी (कृष्ण) (17)	14 चतुर्दशी (कृष्ण) (18)	15 अमावस्या (19)	2 द्वितीया (शुक्ल) (20)	3 तृतीया (शुक्ल) (21)
4 चतुर्थी (शुक्ल) (22)	5 पंचमी (शुक्ल) (23)	6 षष्ठी (शुक्ल) (24)	7 सप्तमी (शुक्ल) (25)	8 अष्टमी (शुक्ल) (26)	9 नवमी (शुक्ल) (27)	10 दशमी (शुक्ल) (28)
11 एकादशी (शुक्ल) (29)	12 द्वादशी (शुक्ल) (30)	13 त्रयोदशी (शुक्ल) (31)	14 चतुर्दशी (शुक्ल) (1)	15 पूर्णिमा (2)	1 प्रतिपदा (कृष्ण) (3)	2 द्वितीया (कृष्ण) (4)

गंगा नदी विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा बनाती है, जो कि सुंदरबन डेल्टा के नाम से जाना जाता है।

M2K® FOUNDATION

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

2025

हमसे जुड़ें
स्वयंसेवी अभियान

Scan QR

+91 981 81 999 94

अशोक सिंहल फाउण्डेशन का मानना है कि जब तक समाज के सदस्य विकास की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सम्मिलित नहीं होंगे, तब तक स्थायी परिवर्तन नहीं होगा। हमारा फाउण्डेशन शिक्षा, महिला सशक्तिकरण से लेकर आपदा के समय राहत पहुँचाने तक हर परिस्थिति में कार्य करता है। महिलाओं एवं वंचित बच्चों के जीवन में बदलाव लाने में मदद के लिए विभिन्न कदम उठाए जाते हैं।

हम सभी समाज सेवियों को स्वयंसेवी पंजीकरण के लिए आमंत्रित करते हैं, जिससे वे हमारे संगठन का सक्रिय अंग बनकर फाउण्डेशन के लक्ष्य व संकल्पों को आगे बढ़ाएं।